RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

गुलाम + खिलजी वंश

LIVE 01-04-2024 09:00 AM

⇒ अपने विरोधियों के प्रति कठोर नीति 'लौह एवं रक्त' की नीति का पालन बलबन ने किया

→ शाब्दिक अर्थ :- खून का बदला खून

⇒ सिजदा एवं पावोस नामक प्रथा को अपने दरबार में प्रा० किया।

→ पैर के बल लेटकर सुल्तान के पैरों को चूमना

→ घुटनों के बल बैठकर सुल्तान के सामने सिर झुकाना

⇒ बलबन ने फारसी रिति-रिवाज पर आधारित नवरोज (नौरोज) उत्सव को प्रा० किया।

⇒ फारसी के प्रसिद्ध विद्वान अमीर खुसरो व अमीर हसन बलबन के दरबार में रहते थे

⇒ बलबन ने गढमुक्तेश्वर की मस्जिद की दीवारों पर अपने शिलालेखों में स्वयं को खलीफा का सहायक कहा है।

⇒ दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग) नामक नवीन विभाग का गठन बलबन किया था।

⇒ अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने जिल्ले-ए-इलाही की उपाधि धारण की।

⇒ राजा को धरती पर ईश्वर का प्रतिनिधी नियाबत-ए-खुदाई माना है।

⇒ कैकुबाद (१२४८-१२९०)

विविध :-

⇒ भारत में पोलो खेल का प्रचलन किसने किया था :- तुर्कों

⇒ गुलाम वंश के दौरान तौल की सबसे छोटी इकाई :- रत्ती

⇒ सल्तनत काल के किस शासक को मिनहास ने हातिमताई-II की संज्ञा दी :- कुतबुद्दीन

⇒ इल्तुतमिश द्वारा बनवाया गया अतारकीन का किला जो अकबर के बुलंद दरवाजे का प्रेरणा स्रोत बना, कहा स्थित है → नागौर (राजस्थान)

खिलजी वंश :- (1290-1320)

संस्थापक :- जलालुद्दीन फिरोज खिलजी (1290-1296 ई०)

राज्याभिषेक → JUNE 1290 ई० → कैकूबाद द्वारा निर्मित किलोखरी महल में राज्यारोह

राजधानी :- किलोखरी

⇒ अलाउद्दीन खिलजी :- 1296-1316 ई०

⇒ राज्याभिषेक :- बलबन के महल में

⇒ अलाउद्दीन खिलजी नया धर्म चलाना चहाता था, जिसका उलेमा लोगों ने विरोध किया था

⇒ उपाधि :- सिकन्दर-ए-सानी

⇒ सैना को नकद वेतन देने व स्थायी सेना रखने की प्रथा अलाउद्दीन खिलजी ने शुरू की

- घोड़ा दागने व सैनिको का हुलिया लिखने की प्रथा अलाउद्दीन खिलजी ने शुरू की थी